(6) इस्पात संयंत्रों के प्रयोग के लिए कोककर कोयले की धुलाई के लिए नई वाशरियों की स्थापना किया जाना ।

(7) कोयला क्षेत्रों से 1000 कि० मी० से अधिक की दूरी पर स्थित कुछ विद्युत गृहों के लिए परिष्कृत कोयले की आपूर्ति किए जाने के लिए कोयला परिष्करण परियोजनाओं की स्थापना किया जाना ।

(8) हाल ही में, एक कानून भी बनाया गया है, जिसके अंतर्गत निजी पार्टियों द्वारा कोयले का परिष्करण किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है ।

Protection of domestic coal industry and coal workers

4276. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Coal India Limited has the capacity to produce enough quantities of coal required for domestic consumption ;

(b) whether the very infrastructure of the coal industry is threatened by the proposed liberalisation of the import of coal ; and

(c) if so, what steps does the Government intend to take to protect the domestic coal industry and the employment of coal workers ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) Coal India Limited (CIL) has registered significant improvements in both coal production and coal off-take. It is estimated that the likely production and accumulated stocks with the indigenous coal companies may be adequate to meet the non-cooking coal requirements of the country up to the end of the Eighth Plan period.

(b) and (c) With the recent reduction of import duly on non-cooking coal from 85% to 35%, the landed cost of imported coal at some thermal power stations near the ports may be lower than the landed cost of indigenous coal. Some other consumers may also resort to coal imports. These quantities however may not be very substantial when compared to overall demand.

Following are some of the steps being taken by Coal India Limited to meet the competition from imported coal :—

(1) Ensuring adequate and timely supply of coal to consumers.

(2) Setting up feeder breakers and coal handling plants for proper sizing and ensuring supply of coal free from extraneous materials.

(3) Encouraging washeries for non-cooking coal in the private as well as public sectors to ensure improved and consistent quality of coal supplies.

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की कोयला खदानों में दुर्घटनाएं

4277. **श्री राधवजी** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993-94 के दौरान मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की कोयला खदानों में कितने श्रमिक दुर्घटनाओं में मरे हैं ;

(ख) प्रत्येक मृतक के परिवार को खदान मालिक द्वारा कितनी राशि सहायता के रूप में दी जा चुकी है; और

(ग) मृतक के परिवार को कितनी सहायता राशि दिया जाना शेष है और वह कब तक दे दी जाएगी ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) वर्ष 1993-94 के दौरान मध्य प्रदेश के शहडोल जिले की कोयला खानों में दुर्घटना में 10 कामगारों की मृत्यु हुई थी । प्रत्येक मृतक के नाम सहित आश्रितों को दी गई सहायता की राशि का ब्योरा नीचे दिया गया है :—

(रूपए में)

मृतक का नाम	अनुग्रह की राशि	मुआवजे की राशि	विशेष अनुग्रह की राशि
सुखलाल	10,000	78,824	—
जगदीश प्रसाद . . .	10,000	84,716	—
मतय्या	10,000	75,824	—

1	2	3	4
सूरज सिंह	10,000	63,920	—
लखन नायक	12,500	69,008	50,000
बालरू	12,500	82,380	50,000
ललवा	12,500	83,192	50,000
विपती	12,500	76,856	50,000
लालू	12,500	80,664	50,000
बुधसेन	12,500	62,566	50,000

उपर्युक्त मामलों में किसी भी प्रकार की सहायता राशि देनी बकाया नहीं है ।

उत्तम गुणवत्ता के कोयले का उत्पादन करने के लिए निजी क्षेत्र में कोयला धोवनशालाएं (कोल वाशरीज)

4278. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा देश में उत्तम गुणवत्ता के कोयले का उत्पादन करने के लिए कोयला धोवनशालाओं (कोल वाशरीज) की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए एक योजना बनाई गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत क्या-क्या प्रोत्साहन दिए जाने हैं ;

(ग) क्या देश में उत्तम गुणवत्ता के कोककारी कोयले का उत्पादन करने के लिए कोई समय-सीमा भी निर्धारित की गई है, यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक कोककारी कोयले का देश में उत्पादन करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ; और

(घ) देश में कहां-कहां कितनी-कितनी क्षमता वाली कोयला धोवनशालाएं (कोल वाशरीज) स्थापित करने की योजना है एवं वर्ष 1993-94 के दौरान देश में ऐसे कार्यों को करने की उत्पादन की क्षमता सम्पन्न धोवनशालाओं में कुल कितनी मात्रा में कोयले का धोवन किया गया/उत्पादन किया गया ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां । कोल इंडिया लि० ने निजी क्षेत्र में कोयले की वाशरियों की स्थापना को प्रोत्साहित किए जाने के लिए एक योजना निष्पादित की है ।

(ख) को०इं०लि० कोयले की व्यवस्था करेगा और यह धुलाई प्रभारों की अदायगी भी करेगा । यह वाशरियों के लिए अपेक्षित भूमि को पट्टा तथा परियोजना को स्थापित किए जाने के लिए सभी तरह की तकनीकी सहायता भी मुहैया करेगा । इस संबंध में उद्यमियों से यह आशा है कि वे अपनी ओर से निवेश, डिजाइन, निर्माण करने तथा वाशरियों को चलाए जाने और चालू किए जाने का कार्य करेंगे ।

(क) चूंकि यह योजना आरंभिक चरण में है, अतः इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है । एक तकनीकी दल द्वारा 1993 में किए गए मूल्यांकन के अनुसार 8 वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक देशीय धुले तथा सीधे फीड कोककर कोयले की उपलब्धता 15.09 मि० टन होगी, जोकि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० और विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी ।

(घ) वर्तमान में निजी क्षेत्र में स्थापित किए जाने के लिए को० इं० लि० द्वारा निम्नलिखित वाशरियों को विनिर्दिष्ट किया गया है :—

वाशरियों के नाम	वार्षिक क्षमता
1. से० को० लि० में पौरेज	1.75 मिलियन टन
2. भा० को० लि० में गोलकडीह .	0.6 मिलियन टन
3. ना० ई० को० की टिकाक .	0.6 मिलियन टन

वर्ष 1993–94 में 11.74 (अनन्तिम) मि० टन धुले हुए/कोककर कोयले का उत्पादन किया गया है ।

विदेशी वित्तीय संस्थाओं की सहायता से कोयला परियोजनाओं का पूरा किया जाना

4279. **श्री राम जेठमलानी :**
प्रो० विजय कुमार मलहोत्रा :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या देश में दिसम्बर, 1993 के अंत तक कुल कितनी कोयला उत्पादन परियोजनाएं निर्माणाधीन थीं ;

(ख) इनमें से उन परियोजनाओं की संख्या कितनी थी जिन्हें विदेशी वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय सहयोग से पूरी की जा रही थी तथा इन वित्तीय संस्थाओं